



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 121]
No. 121]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मई 20, 1999/वैशाख 30, 1921
NEW DELHI, THURSDAY, MAY 20, 1999/VAISAKHA 30, 1921

बाणिज्य मंत्रालय

आरंभिक अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 मई, 1999

विषय :—आस्ट्रिया, चैक गणराज्य, रूस, रूमानिया तथा उक्रेन मूल के या वहां से निर्यातित सीमलैस ट्यूब्स के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच का आरंभ।

सं. 7/1/99—डीजीएडी.—सीमलैस ट्यूब्स मैन्यूफैक्चर्स एसोसिएशन ने मैसर्स महाराष्ट्र सीमलैस लिमिटेड, नई दिल्ली, मैसर्स कल्याणी सीमलैस ट्यूब्स लिमिटेड, पुणे तथा इण्डियन सीमलैस मैटल ट्यूब्स लिमिटेड, पुणे की ओर से कस्टम टेरिफ (पाटिट वस्तुओं पर पाटनरोधी सीमाशुल्क की पहचान, आकलन तथा समाहरण एवं क्षति का निर्धारण) नियमावली, 1995 के अनुसार आस्ट्रिया, चैक गणराज्य, रूस, रूमानिया तथा उक्रेन मूल के या वहां से निर्यातित सीमलैस ट्यूब्स के पाटन का आरोप लगाते हुए, नामनिर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसमें इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष याचिका दायर की है और पाटनरोधी जांच करने एवं पाटनरोधी सीमा शुल्क लगाने का अनुरोध किया है।

1. संबोधित उत्पाद : वर्तमान मामले में जौचाथोन उत्पाद आस्ट्रिया, चैक गणराज्य, रूस, रूमानिया और उक्रेन मूल का या वहां से निर्यातित, आयरन या नान-अलौय स्टैल, डाट फैनिशड, 273 मि. मि. या 10 इंच एनबी के सीमलैस ट्यूब्स हैं जो बॉयलर पाल्स, लाईन पाल्स और क्रेसिंग/ट्यूबिंग इंजिसे इसमें इसके बाद विषयगत माल कहा गया है । के नाम से भी जाना जाता है । सीमलैस ट्यूब्स, कस्टम टेरिफ ऑथोनियम, 1975 के अध्याय 74 के कस्टम उपशीर्ष संख्या 7304, 7304.10 तथा 7304.29 के अधोन वर्गीकृत हैं । तथापि, यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और किसी भी प्रकार से वर्तमान जांच के विस्तार पर बाध्यकर नहीं है ।

2. स्वदेशी उद्योग की स्थिति :- बड़ी ने कहा है कि भारत में सीमलैस ट्यूब्स का उत्पादन निम्नलिखित कम्पनियों द्वारा किया जा रहा है और इनका उत्पादन करने की क्षमता है :

क) महाराष्ट्र सीमलैस लैमिटेड

ख) कल्याणी सीमलैस ट्यूबस लिमिटेड
 ग) झेडयन सीमलैस मैटल ट्यूबस लिमिटेड
 घ) रेमीमैटल गुजरात लिमिटेड
 ङ) वत आयरन एंड स्वेल कम्पनी लिमिटेड
 च) भेल

यांचक्र को रेमी मैटल गुजरात लिमिटेड का समर्थन प्राप्त है। विद्यों ने दावा किया है कि रेमी मैटल गुजरात लिमिटेड और वत आयरन एंड स्वेल कम्पनी लिमिटेड ने अलाभकारी कार्यों के मद्देनजर अपना उत्पादन निलम्बित कर दिया है। रेमी मैटल्स ने रस से केसिंग/ट्यूबिंग का आयात किया है और इसलिए इसे स्वदेशी उद्योग की परीक्षा से बाहर निकल दिया गया है। भेल, मुख्यत निईचत १ केमिट्री १ उपभोग के लिए विषयगत माल का आयात तथा उत्पादन करता है और वर्तमान यांचिका में एक पार्टी नहीं है। वादी गण कुल भारतीय उत्पादन का ८८.२८ प्रतिशत उत्पादन करते हैं और इसलिए स्वदेशी उद्योग की ओर से वर्तमान यांचिका दायर करने के आधार के संतुष्ट करते हैं।

३. संबोधित देश : वर्तमान जाँच में संबोधित देश आर्स्ट्रिया, चैकगणराज्य, रूस, रूमानिया और उक्रेन हैं १ जिन्हें इनमें इसके बाद विषयगत देश कहा गया है।

४. समान वस्तुएँ:-वादी ने दावा किया है कि इसके द्वारा उत्पादित माल और आर्स्ट्रिया, चैक गणराज्य, रूस, रूमानिया तथा उक्रेन मूल का या वहां से नियतित माल, समान वस्तुएँ हैं। वादी द्वारा उत्पादित माल एवं विषयगत देशों से आयतित माल, नियमों के अर्थों के भीतर समान वस्तुएँ मानी जा रही हैं।

५. पाटन तथा पाटन मार्जिन :-

क. सामान्य मूल्य :-वादी ने सामान्य मूल्य का दावा, १११ पूर्ववर्ती पूर्व यूरोपैय देशों से नियतित कों द्वारा सीमलैस ट्यूबस के पाटन की १ सी द्वारा की गयी जाँच तथा १२१ विषयगत देशों में सीमलैस ट्यूबस के नियमित मूल्य के आधार पर किया है।

ख. नियत मूल्य: वादी ने ओ १११ एम १ ओरिजनल फ्रेक्चरपैट मैन्यूफैक्चर्स १ बजारों के मामले में, प्रमुख उपभोक्ताओं द्वारा जारी की गयी म्लोबल नियमितों के आधार पर नियत मूल्य का दावा किया है। विद्यों ने नियत मूल्यों का दावा भी हेलरों के बजारों को देख गए नियार्वी के आधार पर किया है। फैक्टरी-पतर मूल्य का हिसाब लगाने के लिए समुद्री भाड़ी, समुद्री बोर्ड और कप्रीशन के लिए समायोजन का दावा किया गया है।

ग. उपरोक्त विवरण में ऐप गप सामन्य मूल्य और निर्यात मूल्य पर विचार करने पर पाटन मॉर्जन, न्यूनतम सोमाओं से काफी ऊँचा है ।

इस बात के प्रथम इष्ट्या पर्याप्त प्रमाण हैं कि आस्ट्रेलिया, चैक गणराज्य, रूस, रूमानिया और उक्रेन में विचारधीन उत्पाद का सामन्य मूल्य, उस मूल्य से काफी ऊँचा है जिस मूल्य पर इसे भारत को निर्यात किया गया है, जिससे प्रथम-दृष्ट्या पता चलता है कि आस्ट्रेलिया, चैक गणराज्य, रूस, रूमानिया और उक्रेन से आयातों द्वारा विषयगत माल का पाटन किया जा रहा है/ पाटन किया जाएगा ।

6. क्षति तथा कारणात्मक संबंध :-स्वदेशी उद्योग से संबोधित विभेन्न आर्थिक संकेतक जैसे उत्पादन, बिक्री, लभ/हानि आदि समग्र तथा सोचित रूप में बताते हैं कि स्वदेशी उद्योग को क्षति हुई है । इस बात के पर्याप्त प्रथम इष्ट्या साक्ष्य हैं कि विचारधीन उत्पाद के आयतों से स्वदेशी उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है ।

7. पाटनरेथी जाँच का आरंभ :- पहले के पैराग्राफ पर विचार करते हुए नामनिर्दिष्ट प्राधिकारी, विषयगत देशों के मूल के या बहां से नियीनित विषयगत माल के आरोपित पाटन के बजूद, डिग्री तथा प्रभाव के संबंध में पाटनरेथी जाँच आरंभ करता है ।

8. जाँच की अवधि :-वर्तमान जाँच के प्रयोजन के लिए जाँच की अवधि 1 अप्रैल, 1997 से 30 सितम्बर, 1998 {18 महीने} की है ।

9. सूचना देना :विषयगत देशों में निर्यातकों एवं ज्ञात सम्बद्ध भारतीय आयातकों को नियीनित रूप और ढंग से संबोधित सूचना देने तथा नामनिर्दिष्ट प्राधिकारी, वाणिज्य भंत्रालय, पाटनरेथी निदेशालय, उद्योग भवन नई दिल्ली 110011 को अपने विचार बताने का अनुरोध करते हुए अलग से लिखा जा रहा है । इसमें सौंच रखने वाली कोई अन्य पार्टी भी, नीचे दी गयी समयावधि की सीमा के भीतर नियीनित रूप और ढंग से, जाँच से संबोधित अधिकारी देने सकती है ।

10. समय सीमा :-वर्तमान जाँच से संबोधित कोई भी सूचना लिखित रूप में दी जाए और उपरोक्त पते पर नामनिर्दिष्ट अधिकारी के पास इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख के 40 दिनों के भीतर पहुंच जानी चाहिए । तथापि, जिन ज्ञात निर्यातकों एवं आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है, उनको अलग से लिखे गए पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर सूचना देनी होगी ।

11. पाटनरोधी जाँच एक समयबद्ध कार्य होने के कारण, नामनिर्दिष्ट अधिकारी, यदि दिए गए समय के भीतर कोई उत्तर प्राप्त नहीं होता है या सूचना किसी भी प्रकार से अपूरी होती है, पहले के नियमों के अनुसार अभिलेख में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने निष्कर्ष अभिलेखित कर सकता है।

12. सार्वजनिक फाईल का निरीक्षण :—नियम 6 (7) के अनुसार, जब रखने वाली कोई भी पार्टी सार्वजनिक फाईल का निरीक्षण कर सकती है जिसमें अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए साक्ष्यों के अगोपनीय रूप दिए गए हैं।

13. यदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना तक पहुंच को मना करती है या उचित समय के भीतर अन्यथा सूचना नहीं देती या महत्वपूर्ण ढंग से जाँच में बाधा डालती है तो प्राधिकारी, उसे उपलब्ध तथ्यों के आधार पर केन्द्रीय सरकार को ऐसी सिफारिशें कर सकता है जो वह उचित समझता है।

रति विनय ज्ञा, नामनिर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE
INITIATION NOTIFICATION
New Delhi, the 20th May, 1999

Subject : Initiation of anti-dumping investigations concerning import of Seamless Tubes originating in or exported from Austria, Czech Republic, Russia, Romania and Ukraine.

No. 7/1/99-DGAD.—The Association of Seamless Tubes manufacturers has filed a petition in accordance with the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) on behalf of M/s. Maharashtra Seamless Ltd., New Delhi, M/s. Kalyani Seamless Tubes Ltd., Pune, and M/s. Indian Seamless Metal Tubes Ltd., Pune, alleging dumping of Seamless Tubes originating in or exported from Austria, Czech Republic, Russia, Romania, and Ukraine and have requested for anti-dumping investigations and levy of anti-dumping duties.

1. Product Involved: The product under investigation in the present case is Seamless Tubes of iron or non-alloy steel, hot finished, or an external diameter not exceeding 273mm or 10"NB also known as boiler pipes, line pipes and casing/tubing, (referred to as subject goods hereinafter) originating in or exported from Austria, Czech Republic, Russia, Romania, and Ukraine. Seamless Tubes are classified under Customs sub-heading nos. 73.04, 7304.10, and 7304.29 of Chapter 73 of the Customs Tariff Act, 1975. The classification is however indicative only and in no way binding on the scope of the present investigations.

2. Domestic Industry Standing: The petitioner has stated that the following companies are producers or have capacity to produce Seamless Tubes:

- (a) Maharashtra Seamless Ltd.,
- (b) Kalyani Seamless Tubes Ltd.,
- (c) Indian Seamless Metal Tubes Ltd.,
- (d) Remi Metal Gujarat Ltd.,
- (e) Tata Iron & Steel Co. Ltd.,
- (f) BHEL.

The petition has been supported by Remi Metal Gujarat Ltd... The petitioners have claimed that Remi Metal Gujarat Ltd., and Tata Iron & Steel Co. Ltd., have suspended their production in view of unremunerative operations. Remi Metals has imported casing/tubing from Russia and is therefore excluded from the scope of domestic industry. BHEL imports and ,

produces the subject goods primarily for captive consumption and is not a party to the present petition. The petitioners account for 88.28% of the total Indian production and therefore, satisfy the standing to file the present petition on behalf of the domestic industry.

3. Country(ies) Involved: The countries involved in the present investigations are Austria, Czech Republic, Russia, Romania, and Ukraine (referred to as subject countries hereinafter).

4. Like Goods: The petitioner has claimed that goods produced by it are like articles to the goods originating in or exported from Austria, Czech Republic, Russia, Romania, and Ukraine. Goods produced by the petitioner are being treated as Like Articles to the goods imported from the subject countries within the meaning of the Rules.

5. Dumping and Dumping Margin:

- a. Normal Value:** The petitioner has claimed normal value based on (i) an investigation conducted by the EC into the dumping of seamless tubes by exporters from the erstwhile East European countries; and (ii) based on the constructed value of Seamless Tubes in the subject countries. There is sufficient *prima facie* evidence with regard to normal value of Seamless Tubes in the subject countries.
- b. Export price:** The petitioner has claimed export price in the case of OEM (original equipment manufacturers) markets based on global tenders floated by major consumers. The petitioners have also claimed export price based on quotations made to the dealers market. Adjustments have been claimed on account of ocean freight, marine insurance and commission to arrive at the ex-factory price.

c. Considering the normal value and export price as detailed above, the dumping margins are significantly higher than the de-minimus limits.

There is sufficient *prima facie* evidence that the normal value of the product under consideration in Austria, Czech Republic, Russia, Romania, and Ukraine is significantly higher than the price at which it has been exported to India, indicating, *prima facie*, that the subject goods are being dumped/ shall be dumped by the exporters from Austria, Czech Republic, Russia, Romania, and Ukraine.

6. Injury and Causal Link: The various economic indicators relating to domestic industry such as production, sales, profit/loss etc. collectively and cumulatively, indicates that the domestic industry has suffered injury. There is sufficient *prima facie* evidence that the imports of the product under consideration have caused material injury to the domestic industry.

7. Initiation of Anti-Dumping Investigation: In view of the foregoing paragraph, the Designated Authority initiates anti-dumping investigations to determine the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

8. Period of Investigation: The period of investigation for the purpose of the present investigations is 1st April, 1997 to 30th September, 1998 (18 months)

9. Submission of Information: The exporters in the subject countries and the importers in India known to be concerned are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority, Ministry of Commerce, Directorate of Anti- Dumping, Udyog Bhavan, New-Delhi –110011. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

10. Time Limit: Any information relating to the present investigations should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are, however, required to submit the information within forty days from the date of letter addressed to them separately.

11. Anti-dumping investigations being a time bound exercise, the Designated Authority may record its findings on the basis of facts available on record in accordance with the Rules supra, if no response is received within the time stipulated or the information is incomplete in any respect.

12. Inspection of Public File: In terms of Rule 6(1), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties.

13. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority

